www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित
देश की उपासना
देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए
DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर
वर्ष – 04 | अंक – 231 | जौनपुर शनिवार, 11 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

तृणमूल कांग्रेस भारी वोटों और सीटों के साथ जीत रही– कुणाल घोष

कोलकाता, (एजेंसी)। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने हुमायूं कबीर के वीडियो को लेकर कहा कि हुमायूं कबीर को कोर्ट जाने को बोलिए। हम लोगों को डिफरेंट सोर्स से वीडियो मिला, जिसको हम लोगों ने दिखाया। अगर ये ठीक नहीं है तो मीडिया में बयान देने से कोई फायदा नहीं है, वे कोर्ट चले जाएं। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव भारी वोटों और सीटों से जीत रही है। हमें पूरा भरोसा है, लोगों को भरोसा है, बंगाल को भरोसा है और भाजपा को भी भरोसा है। एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान किया जा रहा है। डेबरा विधानसभा क्षेत्र से टीएमसी उम्मीदवार राजीव बनर्जी ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा और सीपीआई (एम) एक साथ आ गए हैं और वे इस बात की साजिश रच रहे हैं कि तृणमूल को कैसे हराया जाए। कोई भी इतना बेवकूफ नहीं है जो यह कहे कि भाजपा के दो उम्मीदवार हैं। वे जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। सीपीआई (एम) अब शून्य पर है और अब तो वह माइनस में चले गए हैं। टीएमसी सांसद जून मालिया ने एसआईआर पर कहा कि वोटर लिस्ट से 90 लाख नाम हटा दिए गए हैं, लेकिन जैसा कि अभिषेक बनर्जी ने मीटिंग में बताया था, इसका भाजपा पर बुरा असर हुआ है। कैसे? मैं आपको बताती हूं, क्योंकि उन 90 लाख लोगों में से 57 लाख 50 हजार हिंदू वोटर थे, जिनके नाम हटाए गए थे। अब, हिसाब बिल्कुल साफ है।

पवन खेड़ा को बड़ी राहत, एक सप्ताह के लिए अग्रिम जमानत

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना हाई कोर्ट से कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को बड़ी राहत मिली है। उन्हें असम में दर्ज मामले में गिरफ्तारी से एक सप्ताह के लिए राहत मिल गई है। तेलंगाना हाई कोर्ट ने शुक्रवार को उन्हें एक सप्ताह की अग्रिम जमानत दे दी। पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन देशों के पासपोर्ट हैं। इसके अलावा उनकी दुबई में भी संपत्ति है और अमेरिका में शेल कंपनियां भी वह चलाती हैं। इन आरोपों को लेकर हिमंत बिस्वा सरमा ने कड़ी आपत्ति जताई थी।इस मामले में फ्रॉड और मानहानि के आरोपों के तहत केस दर्ज किया गया था। असम पुलिस ने पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर इस मामले में रेड भी मारी थी।निजी हमलों को लेकर हिमंत बिस्वा सरमा खुद भड़क गए थे और उन्होंने कहा था कि मैं पवन खेड़ा को पवन पेड़ा बना दूंगा। इसी मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाई कोर्ट का रुख किया था। यहां गुरुवार को भी सुनवाई हुई थी और फिर शुक्रवार को उच्च न्यायालय से उन्हें बड़ी राहत मिल गई।

भारत के विकास मॉडल की विश्व बैंक प्रमुख अजय बंगा ने की सराहना, पीएम मोदी ने की पोस्ट शेयर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें विश्व बैंक के प्रमुख अजय बंगा ने भारत के सहकारिता मॉडल की सराहना करते हुए इसे स्केलेबल ग्रोथ का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने रोजगार सृजन को विकास रणनीति का मूल आधार भी बताया। पीएमओ इंडिया द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा इस लेख में रोजगार–आधारित विकास के महत्व तथा भारत के विकास दृष्टिकोण को वैश्विक स्तर पर मिल रही बढ़ती मान्यता को रेखांकित किया गया है। बंगा ने कहा कि विकास प्रयासों को व्यक्तिगत

परियोजनाओं तक सीमित न रहकर रोजगार सृजन और आर्थिक अवसरों जैसे व्यापक परिणामों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, "विकास कोई दान नहीं है, यह एक रणनीति है।" बंगा आगे कहा कि रोजगार सृजन विकास और स्थिरता को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वाशिंगटन में विश्व बैंक और आईएमएफ की वसंतकालीन बैठकों से पहले बोलते हुए, बंगा ने बढ़ती हुई जन सांख्यिकीय चुनौती की ओर भी ध्यान दिलाया, जिसमें उन्होंने कहा कि अगले 15 वर्षों में लगभग 1.2 अरब युवाओं के कार्यबल में शामिल होने की उम्मीद है, जबकि रोजगार सृजन उस गति से नहीं हो पाएगा। उन्होंने रोजगार बढ़ाने के लिए तीन सूत्रीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिसमें बुनियादी ढांचे में निवेश, व्यापार–अनुकूल शासन सुधार और वित्त तक बेहतर पहुंच शामिल है। उन्होंने बुनियादी ढांचे, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों को रोजगार सृजन के प्रमुख चालक के रूप बताया। अपने स्वयं के अनुभव से उदाहरण देते हुए, बंगा ने भारत के डेयरी सहकारी मॉडल को एक सफल उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया कि कैसे प्रौद्योगिकी और संगठन ग्रामीण आजीविका में सुधार लाने और छोटे उत्पादकों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने में मदद कर सकते हैं।

बिहार ऐतिहासिक बदलाव के लिए तैयार, नीतीश कुमार ने ली राज्यसभा सांसद की शपथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लगभग दो दशक तक बिहार के मुख्यमंत्री का पद संभालने वाले नीतीश कुमार ने शुक्रवार दोपहर राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। नई दिल्ली में राज्यसभा के सभापति व उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ दिलाई। इस मौके पर राज्यसभा में नेता सदन व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन, कांग्रेस के जयराम रमेश, जेडीयू व भाजपा नेता मौजूद रहे। नीतीश कुमार के इस शपथग्रहण के साथ ही बिहार की सियासत में भी एक ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत हो गई है। गौरतलब है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य विधान परिषद के सदस्य थे, लेकिन राज्यसभा के लिए निर्वाचन के बाद उन्होंने 30 मार्च को विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। नीतीश कुमार बीते मार्च महीने में संसद के उच्च सदन के लिए

बिहार से निर्वाचित हुए थे। वह लगभग दो दशक तक बिहार में सत्ता के केंद्र में रहे। इसके अलावा वह जनता दल यूनाइटेड के मुखिया भी हैं। राज्यसभा सांसद की शपथ लेने के साथ ही नीतीश कुमार ने 10 अप्रैल से अपनी नई राजनीतिक पारी शुरू की है। नीतीश कुमार ने शुक्रवार दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर हिंदी में राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली। इसके साथ ही अब वह वह केंद्र की राजनीति में सक्रिय होंगे। माना जा रहा है कि नीतीश दिल्ली आने के बाद अब जल्द ही बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।

ममता खुद की सीट नहीं बचा पाएंगी, सरकार कहां से बचाएंगी : गिरिराज सिंह

पटना, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भवानीपुर से ममता बनर्जी चुनाव हारेंगी। जब वे खुद की सीट नहीं बचा पाएंगी तो सरकार बचाने की बात तो छोड़ दीजिए। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज

सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती थीं, इसलिए वे हर दिन एसआईआर के बारे में चिल्ला रही हैं। उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी अब अपनी खुद की सीट भी नहीं बचा पाएंगी, सरकार बचाना तो दूर की बात है।केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पिछले 15 सालों में पश्चिम बंगाल को लूटा है, इसलिए अब गरीबी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर बात करने से बच रही हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने जो कहा है, वह बिल्कुल सही है। सबका साथ, सबका विकास और जिन्होंने लूटा है, उनसे हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मैं उन गुंडों को भी बता देना चाहता हूं, जो टीएमसी के गुंडे हैं और मतदाताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं। किसी भी गलतफहमी में न रहें। इस बार बंगाल में भाजपा की ही सरकार बनेगी। जो कोई भी गुंडागर्दी करेगा, उसे जवाब देना होगा। महिला आरक्षण बिल को लेकर गिरिराज सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

अमित शाह ने जारी किया बंगाल के लिए भाजपा का संकल्प पत्र महिलाओं के लिए बड़ी घोषणाएं

कोलकाता, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने आज कोलकाता में पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल में एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकल्प लेते हुए राज्य की जनता से श्सोनार बांग्लाश बनाने का वादा किया।राजनीतिक विश्लेषण सेवा अमित शाह ने वर्तमान राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बंगाल की जनता अब तुष्टिकरण, तानाशाही और वसूली की राजनीति से तंग आ चुकी है और राज्य में एक पारदर्शी और विकासोन्मुखी सरकार चाहती है। उन्होंने महिलाओं के लिए कई बड़ी घोषणाएं कींबंगाल ठश्रच का

संकल्प पत्र जारी करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा– आज भारतीय जनता पार्टी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया है। यह घोषणापत्र बंगाल के सभी वर्गों में फैली गहरी निराशा को दूर करने का एक मार्ग दिखाता है। यह फसल खराब होने के कारण अनिश्चितता का सामना कर रहे किसानों, बेरोजगार युवाओं और डर के साए में जी रही महिलाओं को एक नई दिशा प्रदान करता है। साथ ही, यह बंगाल की संस्कृति और उसके गौरव को लेकर चिंतित हर नागरिक में नई आशा और आत्मविश्वास जगाता है।अमित शाह ने कहा– एक 'विकसित भारत' की परिकल्पना इस 'संकल्प पत्र' में झलकती है। ये 15 वर्ष, एक तरह से बंगाल और यहां की जनता के लिए एक अंधकारमय दौर की तरह रहे हैं। बड़ी उम्मीदों के साथ, बंगाल की जनता ने ममता दीदी को कम्युनिस्ट शासन से मुक्ति दिलाने का जनादेश दिया था। यह कहते हुए कि पांच वर्ष पर्याप्त नहीं थे, जनता ने उन्हें दूसरी बार जनादेश दिया और फिर तीसरी बार भी। परंतु, इन 15 वर्षों में, जिन उम्मीदों के साथ जनता ने ममता जी को सत्ता सौंपी थी, वे पूरी नहीं हो पाई हैं।शाह ने कहा– पिछले 15 वर्षों में, जिन उम्मीदों के साथ बंगाल की जनता ने ममता जी को सत्ता सौंपी थी, वे टूट चुकी हैं।

बंगाल में 'सबका हिसाब' होगा, स्मृति ईरानी ने दोहराया पीएम मोदी का वादा

कोलकाता, (एजेंसी)। भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने कोलकाता में गुरुवार को भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो किया। रोड शो में भारी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद श्सबका साथ, सबका विकास और जिन्होंने बंगाल को लूटा है, उनका हिसाबश होगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कोलकाता में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो के दौरान लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।उन्होंने कहा कि हर चुनाव भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन बंगाल का यह चुनाव बेहद खास है, क्योंकि यहां महिलाएं न्याय की गुहार लगा रही हैं। आरजी कर कांड की

पीड़िता की मां ने भाजपा प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया है। एक मां ने अपनी बेटी खो दी, फिर भी लोकतंत्र में अपनी आवाज बुलंद करने आई हैं, लेकिन टीएमसी गुंडों द्वारा अपमान सहना पड़ रहा है। यह कष्टदायक घटना है। स्मृति ईरानी ने कहा कि पीएम मोदी ने साफ कहा कि बंगाल में अब 'सबका साथ, सबका विकास और सबका हिसाब' होगा।उन्होंने महिलाओं के राजनीतिक उत्थान पर पीएम मोदी के संकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास कर सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने का काम किया है। विपक्षी दलों से अपील की कि वे इस बिल के समर्थन में सहयोग करे। राजनीतिक विश्लेषण सेवा भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और यूपीए सरकार ने कभी महिलाओं को राजनीतिक रूप से मजबूत करने का प्रयास नहीं किया, जबकि मोदी सरकार महिलाओं के सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है।स्मृति ईरानी ने टीएमसी पर हमला बोलते हुए कहा कि बंगाल की जनता जानती है कि भाजपा भारत और भारतीयों की सुरक्षा करती है, जबकि टीएमसी घुसपैठियों को संरक्षण देती है। भारत सरकार अब घुसपैठियों के खिलाफ सख्त मोर्चा खोल चुकी है। बता दें कि पीएम मोदी ने एक चुनावी सभा के दौरान कहा कि केंद्र सरकार की जिन योजनाओं में पीएम शब्द है।

हरिवंश नारायण सिंह को राज्यसभा के लिए किया गया नामित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने वरिष्ठ पत्रकार और पूर्व राज्यसभा उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह को राज्यसभा का नामित सदस्य नियुक्त कर दिया है। गृह मंत्रालय की शुक्रवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, हरिवंश नारायण सिंह को भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के सेवानिवृत्त होने के बाद खाली हुई सीट पर मनोनीत किया गया है। उनका कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हुआ था। उनकी यह नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 80 के खंड (1) के उपखंड द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा उसी अनुच्छेद के खंड (3) के तहत की गई है। पत्रकारिता से राजनीति तक का सफर हरिवंश नारायण सिंह एक अनुभवी पत्रकार के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने लंबे समय तक हिंदी दैनिक 'प्रभात खबर' के प्रधान संपादक के पद पर कार्य किया। पत्रकारिता क्षेत्र में उनकी अलग पहचान रही है। 2014 में वे जनता दल (यूनाइटेड) के टिकट पर बिहार से राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। संसद में उनकी कार्यशैली संतुलित और

शांतिपूर्ण संसद में उनकी कार्यशैली संतुलित और शांतिपूर्ण मानी जाती है। वे 9 अगस्त 2018 को पहली बार राज्यसभा के उपसभापति बने और फिर 14 सितंबर 2020 को दोबारा इस पद पर निर्वाचित हुए। उपसभापति के रूप में उन्होंने संसद की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस बार राष्ट्रपति द्वारा सीधे नामित किए जाने के साथ ही हरिवंश नारायण सिंह राज्यसभा में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

पीएम मोदी ने बताया कि देश में महिलाओं को भी अधिकार है– ओम प्रकाश राजभर

आजमगढ़, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर कहा कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान में बराबरी का अधिकार दिया। महिलाओं की आधी आबादी है। पीएम मोदी ने बताया कि देश में महिलाओं को भी अधिकार है। सीतापुर के कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के विवादित बयान पर मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि इस देश में सबसे ज्यादा विद्वान कौम कोई है, तो वो ब्राह्मण है। एक बार अखिलेश यादव ने बयान दिया कि यादव भी कथा कह सकता है, वो भी विद्वान है। उन्होंने कहा कि जब आजमगढ़ में सपा ऑफिस का उद्घाटन हुआ था, तो उसे छह पंडितों ने कराया था। अखिलेश यादव किसी यादव को बैठाए होते।उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने आजमगढ़ में सपा ऑफिस के उद्घाटन में पंडितों को बुलाकर ये साबित कर दिया कि यादव में नहीं, बल्कि ब्राह्मणों में विद्वता है। यूपी में पोस्टर वार को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी को लोग इसी वजह से गुंडों की पार्टी और माफिया की पार्टी कहते हैं। इतने दिन सदन चला है, कभी रोहिणी आयोग की रिपोर्ट को लागू करने की बात सपा और कांग्रेस के नेताओं ने नहीं की। ये लोग प्रदेश में सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू करने की बात नहीं करते। समाजवादी पार्टी की तरफ से सिर्फ झगड़े और नफरत की बात होती है।राजभर ने 7 अप्रैल को भी कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल की है। उम्मीद है कि 2029 तक यह पहल साकार हो जाएगी, जिससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, क्योंकि ऐतिहासिक रूप से पुरुषों ने ही ज्यादा संख्या में जीत हासिल की है। राजनीतिक विश्लेषण सेवा उन्होंने 2027 में यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कहा था कि 2027 की पूरी तैयारी है। शौकत अली के बयान पर उन्होंने कहा था कि अफगानिस्तान का रहने वाला सैयद सालार मसूद गाजी भारत को लूटने के लिए आया था। 17 दिन चले युद्ध में महाराजा सुहेल देव ने उसको मार गिराया था।

महिला उप निरीक्षक नयना व किरन पाल ने महिला पुलिस कर्मियों के साथ मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी की देखरेख मे प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे के नेतृत्व में महिला उप निरीक्षक नयना,किरण पाल ने महिला पुलिस कर्मियों के साथ सहाबुद्दीन सीताराम बालिका इंटर कॉलेज व शहर के विभिन्न चौराहो तथा सार्वजनिक स्थानों पर मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं तथा बालिकाओं को जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय

भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

संपादकीय

युद्ध के संबंध में तमाम वर्जनाएं टूट रही

जैसे आज राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मजबूत देशों ने ताक पर रख दिया है, वैसे ही युद्ध संबंधी तमाम वर्जनाएं टूट रही हैं। यह सभ्यता की ओर मानव समाज की आगे बढ़ी यात्रा की दिशा का पलट जाना है। अमेरिका और इजराइल ने बिना विकिरण जैसे परिणामों की चिंता किए ईरान के परमाणु ठिकाने नांतेज पर बमबारी की। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल के परमाणु स्थल डिमोना पर मिसाइलें दागीं। दोनों हमलों में काफी नुकसान होने की खबरें हैं। इसके बाद डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के बिजली ग्रिड को तबाह करने की धमकी दी, तो जवाब में ईरान ने कहा कि ऐसा होने पर वह इजराइल और खाड़ी देशों में ना सिर्फ बिजली, बल्कि जल स्वच्छ करने के संयंत्रों पर भी निशाना साधेगा। इससे भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति सांकेतिक भाषा में जो कहा, उसका यही अर्थ समझा गया है कि उन्होंने ईरान पर परमाणु बम गिराने की धमकी दी है। दूसरे विश्व युद्ध में जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बम से हुई तबाही देखने के बाद दुनिया में धारणा बनी थी कि मानव विवेक आगे कभी ऐसा नहीं होने देगा। वैसे, उस महायुद्ध के बाद दुनिया में युद्ध संबंधी नियम– कायदे भी बने। उनके मुताबिक नागरिक स्थलों, बिजली–पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं, स्कूल– अस्पताल आदि जैसी जगहों को सैन्य हमलों से दूर रखने पर सहमति बनी। मगर, आज ये सारी बातें जमींदोज हो गई लगती हैं। ईरान पर हमलों की शुरुआत होते ही अमेरिका– इजराइल ने मिनाब में छोटी बच्चियों के स्कूल पर हमला किया। उसके बाद से नागरिक स्थलों, अस्पतालों, ऊर्जा स्थलों एवं जल स्वच्छता केंद्रों पर निशाने साधे गए हैं। ईरान ने भी उनका जवाब उसी अंदाज में दिया है। और ये सिलसिला बढ़ते– बढ़ते अब परमाणु हमले की चर्चा तक पहुंच गया है। इस क्रम में ये कयास भी लगाए गए हैं कि ईरान ने खुद अपनी तैयारी से या किसी अन्य स्रोत से व्यापक विनाश के अस्त्र जुटाए हुए हैं, जिनका इस्तेमाल वह आगे चल कर सकता है। ये बातें यही बताती हैं कि जैसे आज राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मजबूत देशों ने ताक पर रख दिया है, वैसे ही युद्ध के संबंध में तमाम वर्जनाएं टूट रही हैं। यह सभ्यता की ओर मानव समाज की आगे बढ़ी यात्रा की दिशा का पलट जाना है। आधुनिक युग में ऐसा होगा, पहले ये सोचना असंभव था!

कभी बंदूक अब रोजगार

आत्मसमर्पित माओवादियों का आजीविकामूलक गतिविधियों से सुधर रहा भविष्य मुख्यधारा में लौटे माओवादियों का शिक्षा पर भी विशेष ध्यान जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की मार्ग अपनाया था, अब वहीं हाथ अपने हुनर का कमाल दिखा रहे हैं। भानुप्रतापपुर के पास ग्राम चौगेल के पुनर्वास केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा हुनर दिखाते हुए काष्ठ कला से नेम प्लेट, छत्तीसगढ़ शासन का श्लोगोग्य, ग्राम पंचायतों के लिए बोर्ड, बच्चों के लिए की–रिंग सहित अन्य सजावटी सामग्री तैयार की जा रही है, साथ ही कपड़े का थैला, कार्यालयों के लिए बस्ता भी तैयार किया जा रहा है। सरकार द्वारा घोषित नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन कांकेर द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों को कुशल और दक्ष बनाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। यहां पर उन्हें काष्ठशिल्प के साथ ही इलेक्ट्रिशियन, ड्रायविंग, सिलाई, राजमिस्त्री जैसे पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कभी नक्सली गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक–युवतियॉ अब विभिन्न व्यवसाय में दक्ष हो रहे हैं, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के बाद आजीविकामूलक गतिविधियों से जुड़कर सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह कर सकें। चौगेल कैंप बना कौशल प्रशिक्षण केंद्र वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। शासन द्वारा नक्सल मुक्त बस्तर घोषित किया जा चुका है। हिंसा की राह त्यागकर मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों को सरकार कौशल विकास का प्रशिक्षण दे रही है, ताकि वे सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकें। आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति–2025 के अंतर्गत भानुप्रतापपुर विकासखंड के पास ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैम्प में विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कभी बीएसएफ का कैम्प रहा चौगेल (मुल्ला) का यह कैम्प अब हुनर सिखाने वाला गढ़ बन चुका है। यहां पर जिला प्रशासन द्वारा मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग–अलग पाठयक्रमों जैसे– काष्ठ शिल्प, इलेक्ट्रिशियन, सिलाई, ड्राइविंग, राजमिस्त्री इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, साथ ही उनकी शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दी जा रही है। पढ़ने के लिए पाठ्य सामग्री, पुस्तकें, पेन–पेंसिल दिए गए हैं तथा पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की व्यवस्था भी की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यकतानुसार दवाईयां भी दी जाती हैं। कैम्प में मनोरंजनात्मक गतिविधियां जैसे कैरम, वाद्य यंत्र, विभिन्न प्रकार के खेल भी आयोजित किया जाता है। चौगेल पुनर्वास केंद्र में राजमिस्त्री, इलेक्ट्रिशियन, वाहन चालक के साथ ही कांकेर में घुड़सवारी का भी प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वर्तमान में सिलाई मशीन, काष्ठ शिल्प एवं असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। स्वरोजगार के लिए सशक्त बनाने हेतु कृषि विभाग, मत्स्य पालन विभाग, उद्यानिकी, पशुधन विकास विभाग के साथ श्बिहान्य के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया है। प्रशिक्षण उपरांत नियोजन करने वाला पहला जिला बना कांकेर पुनर्वास केंद्र में प्रशिक्षण उपरांत नक्सली पीड़ित एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों को रोजगार से जोड़ने वाला कांकेर पहला जिला बन चुका है। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने अपने हाथों से तीन नक्सली पीड़ित और एक आत्मसमर्पित नक्सली को निजी क्षेत्र में नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र सौंपा, इनमें पुनर्वासित सगनूराम आंचला एवं नक्सल पीड़ित रोशन नेताम, बीरसिंह मंडावी और संजय नेताम शामिल थे। इन सभी को निजी फर्म का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया, जहां उन्हें 15 हजार रूपए प्रतिमाह मानदेय और अन्य प्रकार की वित्तीय सुविधाएं प्राप्त होंगी। इन्होंने चौगेल कैम्प में असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण प्राप्त किया था तथा उन्हें निजी क्षेत्र में नियोजित किया गया है। मुख्यधारा में लौटकर प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार प्रदान करने के मामले में उत्तर बस्तर कांकेर पहला जिला है। निजी क्षेत्र में नौकरी मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए माओवाद पीड़ित श्री बीरसिंह मंडावी ने कहा कि ग्राम मुल्ला (चौगेल) के कैम्प में पुनर्जीवन मिला है, जहां निरूशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें कुशल एवं पारंगत बनाया गया, वहीं प्रशिक्षण के बाद जिला प्रशासन द्वारा रोजगार भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले : डॉ0 अवनीश कुमार गौतम

डॉ० अवनीश कुमार गौतम
देश की उपासना ब्यूरो

जौनपुर। उन्नीसवीं सदी के महान विचारक,सामाजिक क्रांति के प्रणेता,महान समाज सुधारक, सत्यशोधक समाज के संस्थापक ,शोषित, पीड़ित, वंचित, नारी वादी,दबे, कुचले समाज में शिक्षा का बीज रोपित करने वाले राष्ट्रपिता ज्योतिबा फूले जी की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन है। आज ज्योतिबा राव फुले का उद्देश्य न केवल बहुजन समाज के पुरुष वर्ग के प्रति बल्कि समस्त वर्ग की महिलाओं की स्थिति में सुधार की भी वकालत करते है क्योंकि महिलाओं को किसी भी स्तर पर अधिकार नहीं प्राप्त था। इनका मानना था कि महिलाओं की स्थिति में तभी सुधार सम्भव है जब उनको सामाजिक राजनीतिक, आर्थिक, शैक्षिक अधिकार प्रदान किए जाए। जिसके लिए इन्होंने महिलाओं के अधिकार का समर्थन किया महिलाओं के लिए शिक्षा के अधिकार को महत्वपूर्ण बताया तथा समाज की कुरीतियों को समाप्त करने पर बल दिया जैसे–बाल–विवाह, सती प्रथा, दासता इत्यादि। साथ ही साथ इनका मानना था कि सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने के लिए अर्न्तजातीय विवाह, विधवा पुनर्विवाह करवाना चाहिए और मूर्ति–पूजा, पाखण्डवाद के प्रबल आलोचक थे। इस सभी का मानना था कि विषमता पर आधारित समाज व्यवस्था में बहुसंख्यक लोगों के अधिकारों का उनके विकास और सुखों का विचार नहीं किया गया हैं। इसमें केवल वर्णव्यवस्था और जाति व्यवस्था के आधार पर ही अधिकार प्रदान किए गए हैं जिसका इन्होंने विरोध किया है। महात्मा ज्योतिबा राग फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को खानवाडी, पुणे महाराष्ट्र के गाली परिवार में हुआ ज्योतिबा के पिता का नाम गोविन्द राव तथा माता का नाम चिमना बाई थी. एक साल की उम्र में ही ज्योतिबा फुले की माता का देहान्त हो गया, पिता गोविन्द राय जी ने आगे चल कर सुगणा बाई नामक विधवा जिसे वे अपनी मुँह बोली बहन मानते थे, उनी बच्चों की देखभाल के लिए रख लिया। ज्योतिबा को पढ़ने की ललक से पिता ने उन्हें पाठशाला में भेजा था मगर सवर्णों का वर्चस्व होने के कारण वहीं पर उनका विरोध होने लगा और उपी स्कूल से वापस बुलाने पर मजबूर कर दिया गया, अब ज्योतिबा अपने पिता के साथ बाली का कार्य करने लगे काम करने के बाद वे आस–पास के लोगों से देश–दुनिया एवं बहुजन की बात करते और किताबे पढ़ते थे, उन्होंने पाँच वर्ष की उम्र से ही मराठी शिक्षा 1831 दो 1030 तक प्राप्त की ज्योतिबा की (13) तेरह वर्ष की उम्र में ही 1840 में ज्योतिबा का विवाह नौ साल की सावित्री से हुआ जिसके साथ मिलकर उन्होंने आजीवन वचित बहुजन समाज को शिक्षा के माध्यम से शक्तिशाली बनाने का संघर्ष किया, 1841 से ज्योतिबा के पिता ने उनकी शिक्षा के लिये स्कोटिश मिशन नामक स्कूल में कराया जहाँ पर ज्योतिबा ने टामसपेन की किताब राइट्स ऑफ मैन एवं दी एज ऑफ रीजनश पढ़ी जिसका उन पर काफी असर पड़ा। ज्योतिबा राव फुले ने एक बार अपने ब्राह्मण मित्र की शादी में उसके घर गये जहीं बर उनकी काफी अपमानित होना पड़ा था जिससे उनके मन में प्रतिरोध की भावना उत्पन्न हुई और उन्होंने वही से अपने मन में एक विचार बना लिया की भारत में फैली वर्ण व्यवस्था जाति–व्यवस्था, शूद्रादि–शूद्र, ब्राह्मणवाद, नारी सुधार, रूढ़ीवादिता, नारी शिक्षा आदि समस्याओं को सुलझाने का प्रयास किया। उसी समय विश्व में कार्ल मार्क्स के विचारों से क्रान्ति आयी मार्क्स ने वर्गीय चेतना वर्ग संघर्ष तथा वर्गविहीन समाज व्यवस्था का विचार दिया मार्क्स जिस समय वर्गविहीन समाज व्यवस्था का वैचारिक स्तर पर ग्रन्थालय में बैठकर विचार कर रहे थे. उसी समय ज्योतिबा राव फुले प्रत्यक्ष रूप से नारी स्वतंत्रता एवं अछूतों के लिए कार्य कर रहे थे। कार्ल नाव का कम्युनिस्ट घोषणा–पत्र (महत्वपूर्ण ग्रन्थ 1848 में प्रकाशित हुआ कुले ने नारी शिक्षा एवं अछूतों (बहुजन समाज) के लिए 15 मई 1848 में पहला स्कूल पुणे में वाला यह तीन हजार साल के इतिहास में ऐसा पहला स्कूल था जो नारी शिक्षा एवं बहुजन समाज के लिए 1948 में यह स्कूल खोलकर महात्मा फुले ने उस वक्त के समाज के ठेकेदारों को नाराज कर दिया था, जिसका प्रभाव ब्राह्मणवादी व्यवस्था पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा जिसके कारण उनके पिता पर बहुत दबाव पड़ने लगा तो उनको पिता ने उनसे आकर कहा की या तो स्कूल बन्द करो या घर छोड़ दो. तब ज्योतिबा फुले एवं उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले ने सन् 1849 में घर छोड़ दिया, इसी प्रभाव के कारण एक ब्राह्मण शिक्षक जो, फुले साहब के स्कूल में शिक्षक थे उनको भी छोड़ना पड़ा हालाकि इस तरह के दबाव और धमकियों के बावजूद भी वे अपने लक्ष्य से नहीं मटके और समाज में फैली बुराईयों के खिलाफ लड़ते रहे और इसके खिलाफ लोगों में चेतना फैलाते रहे। जिसका जवाब उन्होंने 17 दिसम्बर 1851 में इन्होंने बड़ा और बेहतर स्कूल खोलकर दिया जो बहुत प्रसिद्ध हुआ। वहां जाति, धर्म तथा पंथ के आधार पर कोई भेदभाव नहीं था और उसके दरवाजे सभी के लिए खुले थे। इन्हीं सब प्रभाव के कारण 1852 में मराठी पुस्तकों के प्रथम पुस्तकालय एवं 1855 में पुणे में भारत की प्रथम रात्रि काली की स्थापना की जिसमें जो विद्यार्थी और लोग दिन के स्कूल में पढ़ने नहीं जा सकते थे उनके लिए यह था। इसी तरह सन् 1857 में उन्होंने लड़कियों के लिए स्कूल खोला जो भारत में लड़कियों का पहला स्कूल था जिसमें पढ़ाने के लिये कोई भी तैयार नहीं हुआ तो उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले ने ही स्वयं यह जिम्मेदारी उठाकर उन लड़कियों को स्कूल में पढ़ाना आरम्भ किया इस तरह सावित्री बाई फुले घर से बाहर आकर पढ़ाने का काम करने वाली पहली शिक्षिका थी. उन्हें तंग करने के लिए शुरू में उन पर गोबर और पत्थर फेंके जाते थे, पर वे पीछे नहीं हटी। अपने इन क्रातिकारी कार्यों की वजह से फुले और उनके सहयोगियों को तरह तरह के कष्ट उठाने पड़े उन्हें बार–बार घर बदलना पड़ा फुले साहब ने विधवा–विवाह के विषय में विचार प्रस्तुत नहीं किए, बल्कि उन्होंने प्रत्यक्ष विधवा–विवाह करवाए। 8 मार्च 1860 में पूनाश में में उन्होंने शेणवी जाति की एक विधवा का उन्हीं की जाति के विधुर के साथ विवाह करवाया। पहले बचपन में ही शादियां हो जाती थी यदि भरी जवानी में नारी के पति की मृत्यु हो जाती तो उसे सारी उम्र भी विधवा ही रहना पड़ता था ऐसी विधवाओं के साथ जबरदस्ती से अनैतिक सम्बन्ध बना लिए जाते थे। विधवा यदि गर्भवती हो जाती तो आत्महत्या कर लेती थी या अवैध बच्चे को जन्म देने के पश्चात् उनकी हत्या कर दी जाती थी इस वजह से कई जटिल समस्याएं पैदा हो गई। अतः निवारणार्थ ज्योतिबा फुले ने एक बालहत्या प्रतिबन्धक गृह की स्थापना की। इसकी जानकारी देने वाले पोस्टर पूना के घर–घर में लगवाये गए थे। उस पोस्टर में लिखा था कि विधवाएँ, यहां आकर गुप्तरूप से तथा सुरक्षित रूप से बच्चे को जन्म दे सकती है और अगर वे अपने बच्चे को साथ ले जाना चाहती है तो ले जा सकती है अथवा यहां रखना चाहती है तो उनकी इच्छा पर निर्भर होगा उस

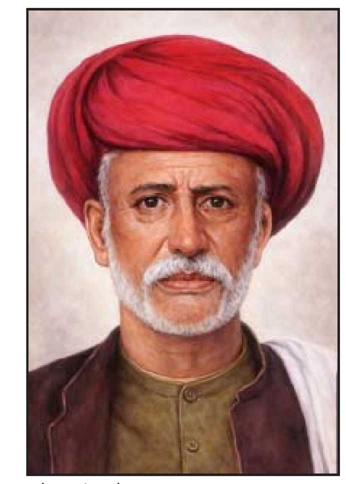

बच्चे की देखभाल यह अनाथाश्रम ही करेगा। बालहत्या प्रतिबन्धक गृह भारत में अपने प्रकार की पहली संस्था थी। उन्होंने नारी एवं अस्पृश्य जातियों को इस अन्याय के विरुद्ध संगठित करते हुए अपने सहयोगियों के साथ मिलकर 24 सितम्बर 1873 में महाराष्ट्र में सत्य शोधक समाज नामक संस्था का गठन किया । फूले साहब ने इसी वर्ष अपनी पुस्तक गुलाम गिरी प्रकाशन किया। फूले साहब के द्वारा लिखी गई पुस्तक किसान का कोड़ा श्जिसमे किसान और खेतिहर मजदूर के लिए विस्तृत योजनाओं का उल्लेख किया है। फूले साहब की अन्य पुस्तके तृतीय रत्न, अछूतो की कैफियत, छत्रपति शिवाजीराजे भोसले यांचना । सन् 1890 में ज्योतिबा राव फूले के दाएं अंगों को लकवा मार गया तब वे बाएं हाथ से ही सार्वजनिक सत्य धर्म नामक किताब लिखने में लग गये ,28 नवम्बर 1890 को उनका महापरिनिर्वाण हो गया ।

नाटो से बाहर निकलने की तैयारी में अमेरिका ट्रंप के फैसले से युरोप की सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था होगी ध्वस्त

नीरज

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इस समय एक ऐसा तूफान उठ रहा है, जिसने दुनिया की सबसे मजबूत मानी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था को हिला कर रख दिया है। हम आपको बता दें कि अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच बढ़ती खाई अब खुलकर सामने आ चुकी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नाटो से बाहर निकलने की चर्चा ने साफ कर दिया है कि अब यह गठबंधन केवल औपचारिकता बनकर रह सकता है। हम आपको याद दिला दें कि जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान छेड़ा था तब नाटो के सहयोगी देशों ने इसमें खुलकर सैन्य भागीदारी करने से इंकार कर दिया था। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने इसे साफ शब्दों में नाटो की असफलता बताया। खुद ट्रंप ने नाटो को कागजी शेर तक करार दे दिया। उनका बयान केवल नाराजगी नहीं बल्कि चेतावनी था कि अमेरिका अब नाटो का बोझ अकेला नहीं उठायेगा। देखा जाये तो ट्रंप का यह रुख अचानक सामने नहीं आया है। पिछले कुछ वर्षों से वह लगातार यूरोपीय देशों पर रक्षा बजट बढ़ाने का दबाव बना रहे हैं। नाटो के सदस्य देशों द्वारा सकल घरेलू उत्पाद का पांच प्रतिशत रक्षा पर खर्च करने की सहमति भी इसी दबाव का परिणाम थी। लेकिन जब असली परीक्षा आई तो सहयोगी देश पीछे हट गए। यही वह क्षण था जिसने ट्रंप को यह कहने पर मजबूर कर दिया कि नाटो केवल कागजी शेर बनकर रह गया है। रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह घटनाक्रम कई स्तरों पर बेहद महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, यह ट्रांस अटलांटिक गठबंधन की विश्वसनीयता पर सीधा हमला है। यदि अमेरिका वास्तव में नाटो से दूरी बनाता है तो यूरोप की सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो सकती है। रूस जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए यह सुनहरा अवसर साबित होगा, क्योंकि यूरोप बिना अमेरिकी सैन्य समर्थन के कमजोर पड़ जाएगा। एक और बड़ा पहलू है पश्चिम एशिया की बदलती रणनीतिक तस्वीर। होरमुज जलडमरूमध्य को लेकर हुए तनाव और तेल आपूर्ति पर पड़े प्रभाव ने यह साफ कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा अब वैश्विक शक्ति राजनीति का केंद्र बन चुकी है। ट्रंप का यह कहना कि यह जिम्मेदारी उन देशों की है जो तेल पर निर्भर हैं, सीधे तौर पर यूरोप और एशिया को चेतावनी है कि वह अपनी सुरक्षा खुद सुनिश्चित करें। वहीं सबसे आक्रामक संकेत है अमेरिका द्वारा अपने सैन्य अड्डों को स्पेन और जर्मनी जैसे देशों से हटाने या कम करने की योजना। यदि यह कदम उठाया जाता है तो यह केवल सैन्य पुनर्संतुलन नहीं बल्कि एक प्रकार का रणनीतिक दंड होगा। इसका संदेश साफ है कि जो अमेरिका के साथ नहीं खड़ा होगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की जिद भी इस पूरे घटनाक्रम का अहम हिस्सा है। उन्होंने बार बार यह दोहराया है कि यह क्षेत्र अमेरिकी सुरक्षा के लिए जरूरी है। डेनमार्क और यूरोपीय देशों के विरोध के बावजूद यह मुद्दा अभी ठंडा नहीं पड़ा है। यह दिखाता है कि अमेरिका अब पारंपरिक कूटनीतिक सीमाओं को तोड़कर खुली रणनीतिक आक्रामकता की ओर बढ़ रहा है। इस बीच, नाटो महासचिव मार्क रुटे और ट्रंप के बीच हुई बातचीत भले ही औपचारिक रूप से सकारात्मक बताई गई हो, लेकिन अंदर की कड़वाहट साफ झलक रही है। रुटे ने माना कि ट्रंप निराश हैं, जबकि ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा कि नाटो ने अमेरिका का साथ नहीं दिया। इतिहास गवाह है कि नाटो की सबसे बड़ी परीक्षा 2001 में हुई थी, जब अमेरिका पर हमला हुआ और सभी सदस्य देशों ने उसका साथ दिया। लेकिन आज स्थिति उलट गई है। अब अमेरिका खुद को अकेला महसूस कर रहा है और यही असंतोष उसे गठबंधन से दूरी बनाने की ओर धकेल रहा है। यदि अमेरिका नाटो से अलग होता है तो वैश्विक शक्ति संरचना बहुध्रुवीय हो जाएगी। चीन और रूस जैसे देश तेजी से अपने प्रभाव का विस्तार करेंगे। यूरोप को मजबूरन अपनी स्वतंत्र सैन्य नीति बनानी पड़ेगी, जबकि एशिया में भी नए सुरक्षा गठबंधनों का उदय हो सकता है। ट्रंप का आक्रामक रवैया यह संकेत देता है कि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय संबंध अधिक कठोर, स्वार्थ आधारित और टकरावपूर्ण होने वाले हैं। बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि नाटो संकट उस पूरी व्यवस्था का संकट है जिसने दशकों तक दुनिया को एक ढांचे में बांधकर रखा। अब यह ढांचा दरक रहा है और इसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है। यही कारण है कि यह घटनाक्रम आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति की दिशा तय करेगा।

आइए, हम मिलकर भारत की नारी शक्ति को सशक्त करें

नरेंद्र मोदी

21वीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगीहै। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा। यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं, और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ–साथ दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं ये कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख–समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं–बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं–बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है। लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद भी राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है। पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार–बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो। अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और अधिक समावेशी बनाने की क्षमता में होती है। संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारीशक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

जहर खुरान गिरोह का पुलिस ने किया पर्दाफाश बाप बेटे सहित तीन गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस लाइन सभागार में शनिवार को एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने जहरखुरानी करने वाले गिरोह का पर्दाफास करते हुए 3 अभियुक्तों को चिरैया मोड़, बिलार मऊ रोड पर चेकिंग के दौरान गिरफ्तार करते हुए जेल भेजा साथ में एक तमंचा , एक जिन्दा कारतूस ,नशीला पाउडर , दो चार पहिया वाहन बरामद किया है. एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि शाहगंज व खेतासराय की सयुंक्त टीम ने जहरखुरानी करने वाले को तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी यक्ष एप के माध्यम से की गयी है। अभियुक्ति हनुमान निषाद आजमगढ़ जिले के शम्भुपुर ब्लूअह्वा का निवासी है उसके उपर कुल 38 मुकदमे है। उसका लड़का अंकित निषाद जिसके उपर 33 मुकदमे है। आरोपी आकाश यादव जिनके ऊपर 10 मुकदमे है। जब यात्री शाहगंज से कही जा रहे हो या शाहगंज से आ रहे हो यात्री चाहे ट्रेन या बस कही पर भी जाते थे या आते थे ये उन यात्रियों को भरोसा दिखाते हुए उनसे दोस्ती करते थे ,ये लोग इतनी अच्छी दोस्ती कर लेते थे कि उनका खाना पहले अपना खुद खाते थे ,जब यात्रियों को भरोसा आ जाता था, उनको अनार के जूस ,चाय काफी आफर करके उसमे नशीला पदार्थ जैसे डायजापाम मिला देते थे। इसको पीने के बाद व्यक्ति 15 से 20 मिनट में बेहोश हो जाता था। और यात्रियों के पास जो माल होता था उसको लेकर चले जाते थे। पहले ये लोग अनुमान लगाते थे कि ये व्यक्ति कहा से आ रहा है।और ये लोग जो गहने लुटे थे उसको जलालपुर में बेचा गया था। इनके पास से अल्टो कार ,स्वीफ्ट डिजायर कार ,तमंचा और नशीला पदार्थ बरामद किया गया। यक्ष एप के माध्यम से पहले पुलिस ने अंकित निषाद को सर्च किया तो अंकित निषाद का फोटो आया उसके बाद गिरोह के लेकर खोजबीन किया ,तब अंकित के पिता हनुमान निषाद का नाम है जिसके उपर 38 मुकदमे है। जब जहरखुरानी हुए लोगों से दोनों की फोटो दिखाई गयी तो लोग इन्ही का पहचान किये। ये अलग अलग जनपदों आजमगढ़ ,सुल्तानपुर ,भदोही जैसे जिले में घटना को अंजाम दिए है।ये लोग गैंग्स्टर एक्ट में निरुद्ध है और वांछित चल रहे थे.इनके साथ काम कर रहा और इनको नशीला पदार्थ सप्लाई करने वाले जो एक झोलाछाप डाक्टर विपिन प्रजापति उसकी तलाश जारी है।

नहीं किया विरोध, खुद तोड़ने लगे अपनी दुकानें-घर

लखनऊ, (संवाददाता)। मुनादी के एक दिन बाद अलीगंज में नए हनुमान मंदिर से नीरा नर्सिंग होम के बीच सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आ रहे निर्माण को लोग खुद ही तोड़ने लगे हैं। कुछ दुकानदारों ने बृहस्पतिवार को इसका विरोध करने का बयान जारी किया था, पर ऐसा किया नहीं। लोक निर्माण विभाग एक सप्ताह में सड़क चौड़ी करने का काम शुरू भी कर देगा। नए हनुमान मंदिर से नीरा नर्सिंग होम के बीच करीब 250 मीटर सड़क को चौड़ा किया जाना है। कब्जों के कारण यह काम हो नहीं पा रहा था। लोक निर्माण विभाग ने कब्जेदारों को 15 दिन का नोटिस दिया था, जिसका समय सात अप्रैल को पूरा हो गया पर कब्जा नहीं हटा। इस पर बुधवार को मुनादी कराई गई कि कल तक कब्जा हटा लें वरना विभाग इसे तोड़ देगा। इसके बाद बृहस्पतिवार को 15-20 लोगों ने खुद अपनी दुकान-मकान को तोड़ना शुरू कर दिया। सचिन भट्ट ने बताया कि उनकी दुकान का जितना हिस्सा सड़क के दायरे में आ रहा है,

उसे वह खुद तोड़ देंगे। पूजा सामग्री की दुकान लगाने वाली विमला दुकान खाली करते-करते रो पड़ीं। उनका कहना था कि 40 वर्ष से यहां दुकान लगा रही हैं। एक झटके में दुकान उजाड़ने का मौखिक आदेश सुना दिया गया। नोटिस भी नहीं दिया गया। होटल चलाने वाले चंद्र सेन गुप्ता ने कहा कि नोटिस दिया गया था, लेकिन सड़क चौड़ीकरण के नाम पर उन्हें उजाड़ा जा रहा है। उन्होंने कब्जा नहीं किया है।

जीजीएल अधिकारियों के खिलाफ शिकायत फर्जी निकली

लखनऊ, (संवाददाता)। ग्रीन गैस लिमिटेड (जीजीएल) के अधिकारियों के खिलाफ भेजे गए फर्जी शिकायत संबंधी कई ईमेल जांच में फर्जी पाए गए हैं। इस मामले में कंपनी के मुख्य प्रबंधक (प्रौद्योगिकी) नीरज त्रिपाठी की तहरीर पर बृहस्पतिवार देर शाम सुशांत गोल्फ सिटी थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय के मुताबिक गोमतीनगर विस्तार सेक्टर-7 स्थित ग्रीन गैस भवन में तैनात मुख्य प्रबंधक नीरज त्रिपाठी ने बताया बीते कुछ समय से जीजीएल के अधिकारियों के खिलाफ लगातार शिकायत भरे ईमेल निदेशक व अन्य सरकारी प्राधिकरणों को भेजे जा रहे थे। जांच में सामने आया कि जिन लोगों के नाम से ईमेल भेजे गए, उन्होंने ऐसे किसी भी ईमेल को भेजने से इन्कार कर दिया। जब ईमेल भेजने वाले के रूप में दर्शाए गए बस्ती जिले के चकचई निवासी राम रतन से संपर्क किया गया तो बताया कि उन्होंने कोई ई मेल नहीं भेजा। इसी प्रकार के कई ईमेल फर्जी पाए गए। इंस्पेक्टर का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

बच्चों को मारने से टोका तो मायके वालों से पति व सास को पिटवाया

लखनऊ, (संवाददाता)। मड़ियांव क्षेत्र में पारिवारिक विवाद हिंसक हो गया। आरोप है कि बहू अर्चना मिश्रा ने मायके पक्ष को बुलाया। उन्होंने सास ममता और पति मनोज कुमार मिश्रा पर हमला कराया। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। भरत नगर निवासी ममता मिश्रा के अनुसार, 30 मार्च को मनोज ने अर्चना को बच्चों को पीटने पर टोका था। इससे वह नाराज हो गई और अपने भाई-बहनों ज्ञानेंद्र तिवारी, गोलू तिवारी और सोनी को बुलाया। चारों ने उन्हें व मनोज को मारापीटा। ज्ञानेंद्र ने देसी तमंचे के बट से मनोज के सिर व चेहरे पर वार किया। इससे वह गंभीर घायल हो गया। आरोपियों ने परिवार को चौबीस घंटे में जान से मारने की धमकी भी दी। घायलों का इलाज बलरामपुर अस्पताल में कराया गया। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा के अनुसार, मंगलवार को चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री से जुड़ा वीडियो एडिट कर किया पोस्ट, रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ, (संवाददाता)। हजरतगंज के नरही निवासी धर्म सिंह ने सपा नेता आईपी सिंह पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वीडियो एडिट कर एक्स पर पोस्ट करने का आरोप लगाया है। हजरतगंज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। धर्म सिंह के मुताबिक कुछ समय पहले उन्होंने एक्स पर सपा नेता आईपी सिंह के अकाउंट से पोस्ट किया गया वीडियो देखा। आरोपी ने सीएम का वीडियो एडिट किया था। इसके जरिये उसने पीडीए वर्ग के आरक्षण को लेकर सीएम पर आरोप लगाए थे और उन पर अभद्र टिप्पणी भी की थी। धर्म सिंह का आरोप है इस कृत्य से जानबूझकर सरकार की छवि धूमिल की जा रही है। आरोपी ने यह वीडियो सौहार्द बिगाड़ने और शांतिभंग करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर डाला है। इस आपत्तिजनक वीडियो को देखकर उनकी और लाखों जनता की भावनाएं आहत हुई हैं।

जंघई बाजार में भीषण आग, SBI शाखा जलकर खाकय समय रहते टला बड़ा हादसा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 11अप्रैल। यूपी के जौनपुर में जंघई बाजार में शनिवार सुबह करीब 5 बजे शॉर्ट सर्किट के कारण स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और बैंक में रखा फर्नीचर व कागजात अन्य उपकरण पूरी तरह जलकर राख हो गए। घटना के समय बैंक के ऊपर रहने वाले मकान मालिक धर्मेंद्र जायसवाल ने धुआं उठता देख सतर्कता दिखाई और परिवार सहित तुरंत बाहर निकल गए। उनकी सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही बैंक मैनेजर जगदीश सिंह, जो अवकाश पर थे, ने तत्काल स्टाफ को मौके पर भेजा और पुलिस व दमकल विभाग को सूचित किया। हालांकि प्रयागराज से दमकल की गाड़ियों को पहुंचने में करीब एक घंटे का समय लग गया, तब तक आग पूरी तरह बैंक को अपनी चपेट में ले चुकी थी। फिलहाल आग से लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।वही इस मामले में जानकारी लेने पर जौनपुर के अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिडेग की टीम के साथ मिलकर आग पर काबू पाया है घटना की जांच पड़ताल किया जा रहा है।बैंक का हिस्सा प्रयागराज के सराय ममरेज थाना अंतर्गत आता है।

पैदल सड़क पार कर रहे थे मां-बेटे, तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर महिला की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अमेठी में शुक्रवार को बाइक की टक्कर से महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी बाइक सवार मौके से भाग निकला। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हादसा कमरौली के उतेलवा मोड़ पर हुआ। हादसे में शांति सिंह (55) की मौत हुई है। वह बाराबंकी के रामसनेही घाट के पूरे भदौरिया मजरे तोरई पिथुरपुर गांव की रहने वाली थीं। खबर मिली तो घरवाले रोते बिलखते अस्पताल पहुंचे। बेटे आदर्श सिंह ने बताया कि वह मां शांति सिंह के साथ जगदीशपुर सीएचसी दवा लेने जा रहे थे। उतेलवा मोड़ पर ऑटो से उतरने के बाद सड़क पार कर रहे थे। वह आगे थे और मां पीछे चल रही थीं। इसी समय तेज रफ्तार बाइक चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्होंने आनन फानन मां को ट्रॉमा सेंटर जगदीशपुर पहुंचाया। वहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जगदीशपुर इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से बाइक सवार की पहचान की कोशिश की जा रही है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी।

वकीलों के कब्जे हटाने की कार्रवाई को अंजाम तक पहुंचाएं : हाईकोर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कैसरबाग स्थित जनपद न्यायालय के आसपास वकीलों की ओर से किए कब्जों पर सख्त रुख जारी रखा है। नगर निगम को आदेश दिया है कि इन्हें हटाने के लिए जो कदम उठाए गए हैं, उन्हें अंजाम तक पहुंचाएं। जरूरी हो तो नगर निगम को तत्काल पुलिस बल उपलब्ध कराया जाए। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने यह आदेश अनुराधा सिंह व दो अन्य की याचिका पर दिया। नगर निगम की दाखिल रिपोर्ट के अनुसार संबंधित क्षेत्र में 72 अतिक्रमण मिले हैं। इनमें से अधिकतर अधिवक्ताओं के चौंबर और कुछ दुकानों का अवैध निर्माण है। कोर्ट ने मामले को जनहित याचिका के तौर पर दर्ज करने का आदेश रजिस्ट्री अनुभाग को दिया। छह मई को अगली सुनवाई पर नगर निगम व जिला प्रशासन को कार्रवाई की प्रगति से अवगत कराने का आदेश भी दिया। अदालत ने टिप्पणी की कि जनपद न्यायालय, पुराना हाईकोर्ट परिसर, कलेक्ट्रेट, राजस्व परिषद, पुराना सदर तहसील परिसर, उप-निबंधक कार्यालय, मंडलायुक्त कार्यालय, रेजिडेंसी पावर सब स्टेशन, बलरामपुर अस्पताल, कैसरबाग बस अड्डा व टेढ़ी कोठी के आसपास रहने वाले वकीलों के कब्जों से त्रस्त हैं। एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इलाके में अतिक्रमण के कारण एंबुलेंस नहीं निकल सकी और मरीज की मौत हो गई। कोर्ट ने कहा, वकीलों को भी समुचित मात्रा में चौंबर की सुविधा मिलनी चाहिए और इसमें आवश्यक प्रगति भी हुई है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को कारण बताओं नोटिस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,11 अप्रैल । यूपी के जौनपुर में सड़क दुर्घटना के मामले में मृतक के वेतन को साबित करने के लिए वेतन लिपिक के हाजिर न होने पर ट्रिब्यूनल जज मनोज कुमार अग्रवाल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए 18 अप्रैल 2026 को स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया। साथ ही साक्षी वेतन लिपिक को पेश करने का भी आदेश हुआ। इस खबर में शनिवार को जानकारी देते हुए मामले को इस मामले के अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया कि फूलचंद प्रजापति निवासी खुटहन की 29 फरवरी 2024 को मोटरसाइकिल से शहर से घर घर जाते समय ग्राम जेठपुरा सरायख्वाजा के पास 11रू30 बजे दिन में सामने से आ रही मोटरसाइकिल की तेजी व लापरवाही से दुर्घटना हो गई। दौरान इलाज 7 मार्च को बीएचयू में उनकी मृत्यु हो गई। वह माध्यमिक विद्यालय सोनरा सुईथाकला में प्रधानाध्यापक थे। उनके वेतन को साबित करने के लिए कोर्ट ने याची मृतक की पत्नी के प्रार्थना पत्र पर वेतन लिपिक को तलब किया था लेकिन वह बयान देने उपस्थित नहीं हुए। कोर्ट ने इसे आपत्तिजनक मानते हुए बीएसए से जवाब तलब किया है।

आंधी बारिश से टूटे तार व पोल, 22 घंटे बिजली गुल

उन्नाव, (संवाददाता)। आंधी-बारिश ने मियागंज और औरास क्षेत्र की बिजली व्यवस्था तहस-नहस कर दी। जगह-जगह पेड़ और टहनियां गिरने से तार टूट गए हैं। बिजली कर्मियों की मशक्कत के बाद भी 22 घंटे तक बिजली सप्लाई सामान्य नहीं हो सकी। इससे बिजली के साथ पानी का भी संकट खड़ा हो गया। सफीपुर। बुधवार रात करीब सात बजे मियागंज क्षेत्र में तेज आंधी के साथ बारिश व ओलावृष्टि हुई थी। इससे कई जगहों पर बिजली लाइन पर पेड़ गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी। बिजली लाइन में फाल्ट से 60 गांवों की सप्लाई बाधित हो गई थी जो बृहस्पतिवार शाम पांच बजे तक बहाल नहीं हो सकी थी। एसडीओ मियागंज धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि आंधी से लाइन पर कई जगह पेड़ गिरे थे। इससे रसूलाबाद, कुरसठ, औरास फीडरों से जुड़े लगभग गांवों की सप्लाई बंद हो गई थी। रात से टीम ने फाल्ट खोजना शुरू कर दिया था। हालांकि रात होने से खोजने में समस्या आई थी। सुबह युद्धस्तर पर काम शुरू कराया गया। जल्द ही आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। औरास में बने बिजली उपकेंद्र से जमालनगर, परौरी, हाथीखेड़ा व औरास के चार फीडरों से बिजली आपूर्ति की जाती है। बुधवार शाम सात बजे तेज हवाओं के साथ बारिश के चलते मियागंज से औरास आई 33 केवी लाइन पर कई जगह टहनियां गिरने से बिजली आपूर्ति बंद हो गई। रुक-रुक कर हुई बारिश से रात को बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई। इसके चलते ग्रामीण हैंडपंपों पर पानी भरते नजर आए।

लिफ्ट देकर कार सवारों ने उड़ाए नकदी-जेवर

गोरखपुर, (संवाददाता)। राजघाट थाना क्षेत्र में लिफ्ट देकर कार सवार तीन लोगों ने एक व्यक्ति से लाखों रुपये के जेवर और नकदी उड़ा दी। मामला 20 दिसंबर 2025 का है। पीड़ित अपने बहनोई के जनाजे में शामिल होने जा रहा था। पहले उसने अपने स्तर से आरोपियों की खोजबीन की। कुछ पता नहीं चला तो अब उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। महराजगंज जिले के बड़हरा बरईपार, थाना श्यामदेउरवा निवासी गयासुद्दीन ने बृहस्पतिवार को राजघाट थाने में तहरीर देकर बताया कि 20 दिसंबर 2025 को वह घर से अपनी पत्नी के कुछ जेवर लेकर उन्हें गिरवी रखने के लिए निकला था। वह गोरखपुर के घंटाघर स्थित एक ज्वेलरी दुकान पर पहुंचा लेकिन वहां उसे गहनों के अपेक्षित दाम नहीं मिले। इसके बाद उसने अन्य जगहों पर भी कोशिश की लेकिन संतोषजनक रकम न मिलने पर वह जेवर वापस लेकर लौट आया। इसी दौरान उसे सूचना मिली कि गगहा क्षेत्र के हाटा में उसके बहनोई का जनाजा है।

ऑनलाइन गेमिंग में रकम डूबने पर छात्र ने लगाया फंदा

लखनऊ के मानकनगर के रामनगर निवासी विशाल सिंह (22) ने बुधवार को फंदा लगा लिया। पुलिस ऑनलाइन गेमिंग में रकम डूबने पर जान देने की बात कह रही है। विशाल के पिता दिनेश सिंह ने बताया कि बेटा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के साथ ट्यूशन पढ़ाता था। कुछ समय से वह परेशान था। पूछने पर भी उसने कुछ नहीं बताया था। बुधवार दोपहर दादी पूनम मकान की दूसरी मंजिल पर गई तो विशाल को कमरे की रोशनदान से गमछे के सहारे लटका देखा। उनकी चीख सुन मां संगीता और अन्य घरवाले भी आ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मोबाइल कब्जे में लिया। विशाल का एक भाई और एक बहन है। दोस्त से उधार लिए थे 30 हजार रुपयेरू दिनेश सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर बेटे का दोस्त घर आया था। उसने बताया कि विशाल ने इलाके के रहने वाले दोस्त से 30 हजार रुपये उधार लिए थे। वह विशाल को प्रताड़ित कर रहा था। इससे तंग आकर विशाल ने जान दे दी। मानकनगर थानाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने बताया कि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। विशाल ऑनलाइन गेम खेलता था। इस कारण वह कर्ज में डूब गया था। तनाव में आकर उसने जान दे दी। घरवालों ने कोई तहरीर नहीं दी है। क्रिकेट खेलने का था शौकीन रू पिता ने बताया कि विशाल क्रिकेट खेलने का शौकीन था। वह लेफ्ट आर्म का बॉलर था। अंडर-16 में ट्रायल दे चुका था। अंतिम चरण में रह गया था। कोरोना काल के बाद उसका मन क्रिकेट से हट गया।

शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन की कुंजी : प्रो. प्रमोद कुमार यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,11 अप्रैल। यूपी के जौनपुर में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार को कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि महात्मा फुले का जीवन सामाजिक परिवर्तन, शिक्षा के प्रसार और समानता के मूल्यों का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को शिक्षा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया, जो आज भी मार्गदर्शक है। प्रो. यादव ने कहा कि फुले जी ने शिक्षा को समाज के कल्याण की कुंजी माना और महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर बालिकाओं के लिए विद्यालय स्थापित कर उस समय की सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती दी। यह प्रयास न केवल साहस का प्रतीक था, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल भी था। इस अवसर पर जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने छात्रद्छात्राओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा को केवल व्यक्तिगत उन्नति का साधन न मानते हुए सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने, शिक्षा का प्रसार करने और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। साथ ही समतामूलक, शिक्षित और जागरूक समाज के निर्माण हेतु महात्मा फुले के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने पर बल दिया गया। कार्यक्रम में प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. धीरेंद्र चौधरी, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. रामांशु प्रभाकर सिंह, डॉ. दीपक मौर्य सहित अन्य प्राध्यापक, अधिकारी एवं छात्रद्छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया

बेपटरी मिली कूड़ा उठान की व्यवस्था

लखनऊ, (संवाददाता)। महापौर की सख्ती पर नगर निगम के अफसर बृहस्पतिवार सुबह फील्ड में निकले तो सफाई व्यवस्था बेपटरी मिली। ज्यादातर इलाकों में आधे सफाई कर्मचारी ही काम करते मिले। सुबह साढ़े छह बजे तक 70 प्रतिशत गाड़ियां ही निकली थीं, जिससे घरों से कूड़ा कलेक्शन भी प्रभावित हुआ। महापौर की सख्ती का पांच जोनों के 72 वार्डों में कार्यदायी संस्थाओं के कर्मचारियों की मनमानी पर असर नहीं पड़ा। इससे शहर में कूड़ा सड़कों पर पड़ा रहा। अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद राव सुबह साढे छह बजे जोन छह की पारा रोड का निरीक्षण करने पहुंचे। रामकी के कुछ कर्मचारी झाड़ू लगाते दिखे। इसके बाद वह मल्लपुर में रामकी के यार्ड में पहुंचे तो 120 में से 82 गाड़ियों ही घरों से कचरा उठाने के लिए निकली थीं। कैम्पवेल रोड पर उन्हें 50 प्रतिशत कर्मचारी ही सफाई करते मिले। यहां कार्यदायी संस्था एसएस और एफबी के कर्मचारी तैनात हैं। उन्होंने जोनल अधिकारी और जोनल सिनेटरी अधिकारी को फटकार के साथ लापरवाही पर 10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया। नगर निगम में करीब 10 हजार सफाई कर्मचारी हैं। इनमें से तीन हजार स्थायी और सात हजार कार्यदायी संस्थाओं के जरिये तैनात हैं। इनमें से कितने कर्मचारी काम पर आते हैं, इसकी निगरानी की ठोस व्यवस्था नहीं है। जिन सफाई निरीक्षकों और सुपरवाइजरों पर इसकी जिम्मेदारी है वे खुद फर्जीवाड़े में शामिल रहते हैं। हाजिरी की निगरानी की हर व्यवस्था ठप कर दी गई है। इसकी बड़ी वजह कार्यदायी संस्थाओं की ओर से तैनाती में किया जाने वाला फर्जीवाड़ा और मोटी कमाई है। संस्थाएं भी प्रभावशाली लोगों की हैं। ऐसे में सफाई के नाम पर खेल चल रहा है। रामकी के 150 और लॉयन एनवायरो कंपनी के करीब 50 कर्मचारी असम चुनाव के लिए गए हैं। इस कारण घरों से पांच दिन तक कूड़ा नहीं उठा। इस पर महापौर ने दो शिफ्टों में घरों से कूड़ा उठाने के निर्देश निजी कंपनियों को दिए थे। इसके बाद बुधवार को इंदिरानगर के सर्वोदय नगर सहित कई इलाकों में कूड़ा उठान का काम सुधरा। कई क्षेत्रों में दो शिफ्टों में काम कराया गया।

महिला की हत्या कर फेंका शव, दुष्कर्म की आशंका

लखनऊ, (संवाददाता)। मदारपुर गांव के बाहर 35 वर्षीय महिला की हत्या कर शव रफीक के खेत में फेंक दिया गया। स्थानीय लोगों ने बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे खेत में खून से लथपथ शव देखकर पुलिस को सूचना दी। आशंका जताई जा रही है कि दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या की गई है। शव को बिस्तर में लपेटकर फेंका गया था, जिसकी अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित के मुताबिक ऐसा प्रतीत हो रहा है कि महिला की हत्या कहीं और की गई है। पुलिस की तीन टीमें गठित की गई हैं। शव की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

एसपी सिटी ने पुलिस अधिकारियों तथा नाविको व मल्लाहो के साथ बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

(डॉक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। शुक्रवार को मथुरा में हृदय विचारक नाव डूबने से लगभग 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।इसी से सबक लेते हुए रामनगरी में भी एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर के निर्देश पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने शनिवार को नाविकों के साथ बैठक किया।इस मौके पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने नयाघाट और गुप्तार घाट पर 50–60 नाविकों–मल्लाहों के साथ बैठक की।जिसमे कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किये गए।जिसमें खासकर नावों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य,क्षमता से ज्यादा सवारी बैठाने पर रोक,लाइफ जैकेट के बिना नाव में एंट्री नहीं,रस्सा, लाइफ रिंग, इमरजेंसी किट रखना जरूरी रहेगा।इस मौके पर उन्होंने बताया कि रामनगरी में राम मंदिर बनने के चलते यहां पर श्रद्धालुओं की लगातार बना रही है जिसके लिए हम सभी को सावधानी बरतने की जरूरत है।अयोध्या में बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच नाव हादसों को रोकने के लिए पुलिस का बड़ा कदम।इस बैठक में सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी,थाना प्रभारी रामजन्मभूमि सुमित श्रीवास्तव, कोतवाली अयोध्या प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह,कैंट व जल पुलिस प्रभारी भी मौजूद रहे।

एक थाना के साथ नौ नई पुलिस चौकियों के लिए भूमि हुई आवंटित

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। जिले मे कानून व्यवस्था कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए एक थाना क्षेत्र के साथ–साथ 9 नई पुलिस चौकियां खोले जाने के लिये डीएम निखिल टी फुंडे तथा एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर द्वारा भूमि आवंटन के लिए प्रस्ताव भेजा गया था।जिसके सापेक्ष इन दोनों अधिकारियो द्वारा भेजे गये प्रस्ताव पर जनपद के विभिन्न थानों में 09 नवीन पुलिस चौकियॉ तथा 01 पुलिस थाना हैरिंग्टनगंज हेतु भूमि आवंटित की गई है।बताते चले कि जिले के मिल्कीपुर सर्किल मे थाना इनायतनगर मे थाना हैरिंग्टनगंज हेतु 64583.5 वर्ग फिट,रूदौली सर्किल मे थाना बाबा बाजार क्षेत्र मे चौकी मॉ कामाख्या धाम 21527.8 वर्ग फिट,रूदौली सर्किल के थाना बाबा बाजार क्षेत्र मे चौकी सैदपुर 21527.8 वर्ग फिट की जमीन आवंटित हुई है।इसी तरह इसी सर्किल व थाना क्षेत्र मे चौकी हंसराजपुर 6458.3 वर्ग फिट,चौकी रेछ 4951.4 वर्ग फिट, इसी सर्किल के थाना पटरंगा मे चौकी गंगरेला 10764 वर्ग फिट,रुदौली सर्किल के ही मवई थाना मे चौकी रामदास नगर 2690.98 वर्ग फिट,सर्किल सद के थाना महाराजगंज क्षेत्र मे चौकी रसूलाबाद 21527.8 वर्ग फिट,सदर सर्किल के थाना महाराजगंज क्षेत्र मे चौकी अरवत 21527.8 वर्ग फिट तथा सर्किल अयोध्या के थाना पूराकलन्दर क्षेत्र मे चौकी भदरसा 96.8 वर्ग फिट भूमि आवंटित की गई है। इस संबंध में पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कि इससे भविष्य में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहायता होगी तथा जनसुनवाई को और सुगम बनाया जा सकेगा।इन चौकियों पर अतिरिक्त पुलिस बल के नियुक्त होने से अपराध नियंत्रण में भी सहायता मिलेगी।

अग्निशमन कर्मियों ने आग से बचाव हेतु छात्रों व और शिक्षकों को दिए आवश्यक टिप्स

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह के निर्देश पर शनिवार को नगर पंचायत कुमारगंज स्थित शिव सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को अग्निशमन विभाग की टीम द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।इस दौरान विभाग के कर्मचारियों ने विद्यालय के बच्चों एवं शिक्षकों को आग लगने की स्थिति में बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान फायर कर्मियों ने बताया कि आग लगने पर घबराने की बजाय सूझबूझ से काम लेना चाहिए। उन्होंने गैस सिलेंडर, बिजली शॉर्ट सर्किट तथा अन्य कारणों से लगने वाली आग से बचाव के उपायों को सरल भाषा में समझाया। साथ ही यह भी बताया कि छोटी–छोटी सावधानियों से बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।अग्निशमन टीम ने मौके पर डेमो प्रस्तुत करते हुए सिलेंडर में लगी आग को फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशामक यंत्र) से बुझाकर दिखाया। इस प्रदर्शन को देखकर बच्चों और शिक्षकों को आग बुझाने की सही तकनीक की व्यावहारिक जानकारी मिली। इसके साथ ही सभी को अग्निशामक यंत्र के प्रयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लीडिंग फायरमैन रमाशंकर सिंह, चालक अखिलेश सिंह, प्रशांत दीक्षित एवं विकास यादव मौजूद रहे।वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद पाण्डेय, कपिल देव पाण्डेय सहित समस्त शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएं भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

शासन की मंशा के अनुरूप परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश ने जारी किए निर्देश

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।शासन की मंशा के अनुरूप परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश महोदया द्वारा दिए गए निर्देश के अनुपालन में जनपद में सभी स्कूलों को ऑन बोर्ड कराया जाना है ।स्कूलों में ऐसे भी स्कूल हैं जिनके पास वाहन नहीं है तथा दूसरे स्कूल वे है जिनके पास वाहन उपलब्ध हैं। ऐसे सभी स्कूलों को ऑन बोर्ड करते हुए उनमें संचालित वाहनों को अथवा जिन स्कूलों के पास वाहन नहीं है वैसे स्कूल को भी ऑन बोर्ड किया जाना है ।इसी अनुक्रम में संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय अयोध्या में एक कैंप का आयोजन दिनांक 12.4 26 दिन रविवार को प्रातः 9.30 से सायं 5.00 बजे तक किया गया है। आपसे अनुरोध है कि स्कूल के संबंध में यूडायस नंबर तथा वाहन चालकों का डीएल तथा वाहन संबंधी आरसी तथा परमिट की कॉपी के साथ उपस्थित होने का कष्ट करें जिससे विद्यालय को ऑन बोर्ड करते हुए उसमें संचालित वाहनों को भी ऑनबोर्ड कर ऑनलाइन इंस्पेक्शन की कार्रवाई पूर्ण की जा सके।स्कूलों को ऑनबोर्ड करने तथा उनके वाहनों को ऑन बोर्ड करते हुए इंस्पेक्शन करने की कार्रवाई विलंबतम 14 तारीख तक पूर्ण की जानी है। अतः उक्त कार्य में शिथिलता ना बरती जाए।

'विद्यालय प्रबंध समितिध्भारतीय शिक्षा प्रसार समिति की बैठक का हुआ आयोजन'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' शनिवार को पाली नगर स्थित सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज प्रांगण में साधारण सभा एवं विद्यालय प्रबंध समिति के चुनाव को लेकर बैठक का आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम पिछली कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई जिसकी सर्वउपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से पिछली कार्यवाही की पुष्टि की गई। प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।ततपश्चात बैठक में उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों द्वारा निर्वाचन किया गया। साधारण सभा के कुल पंजीकृत 70 सदस्यों में से 48 सदस्य उपस्थित रहे । इस प्रकार कोरम पूरा रहा। राजकीय इण्टर कालेज टड़ियावां के प्रधानाचार्य व नामित पर्यवेक्षक प्रमोद कुमार यादवश की मौजूदगी एवं प्रबंध समिति अध्यक्ष इन्द्र पाल सिंह भदौरिया की अध्यक्षता में प्रबंध समिति का चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें साधारण सभा अध्यक्ष नरेंद्र पाल सिंह श्सोनूश को निर्विरोध चुना गया। प्रबंध समिति कमेटी में कोषाध्यक्ष लक्ष्मी कांत तिवारी,उपाध्यक्ष सरला भदौरिया मंत्री पद पर मदन पाल सिंह,उपाध्यक्ष उमेश कुमार बाजपेयी,प्रबंधक उत्कर्ष मिश्रा,उपप्रबंधक राजेश्वर सिंह,को सर्वसम्मति से निर्विरोध चुना गया। साथ ही प्रशासन योजना में निहित प्रावधानों के अंतर्गत विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ वीपी द्विवेदी एवं दो वरिष्ठ शिक्षक जेष्ठता के क्रम में प्रबंध समिति के पदेन सदस्य नामित किये गए। उत्कर्ष मिश्रा के पुनः प्रबंध समिति के प्रबंधक पद पर सर्वसम्मति से निर्विरोध चुने जाने पर विद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई।समस्त विद्यालय परिवार की ओर से प्रबंधक जी को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। प्रबंध समिति के चुनाव कार्यक्रम में लिपिक अम्बरीष कुमार सिंह भदौरिया का सहयोग विशेष सराहनीय रहा। इस अवसर पर प्रबंध समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों सहित समस्त विद्यालय स्टॉफ मौजूद रहा।

दो लाख 57 हजार मतदाता घटे,एसआइआर प्रक्रिया के दौरान बढ़े 80 हजार 397 नए मतदाता

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।निर्वाचक नामावलियों का पांच माह छह दिन चली विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया का जिला व तहसील स्तर पर सूचना पट पर चस्पा कराने के साथ 10 अप्रैल को इसका समापन हो गया।अंतिम प्रकाशन में जिले में कुल 16 लाख 50 हजार 655 मतदाता हैं।जिसमे आठ लाख 84 हजार 096 मतदाता पुरुष और सात 66 हजार 495 मतदाता महिला हैं।देखा जाये तो एसआइआर प्रकाशन के समय मतदाताओं की संख्या 19 लाख सात हजार 800 रही।निर्वाचक नामावलियों में एसआइआर में चार नवंबर को 2003 की मतदाता सूची का प्रकाशन कर घर–घर गणना प्रपत्र वितरण बीएलओ के माध्यम से शुरू हुआ।जिनके नाम 2025 की मतदाता सूची में थे लेकिन 2003 में नहीं रहे। ऐसे मिस मैचिंग में डाले गए 346483 मतदाताओं में से 156120 मतदाता वोटर लिस्ट में रह गये।नये 80 हजार 397 मतदाता एसआइआर के दौरान 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने से जुड़े।जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के अनुसार मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर तहसीलों के सूचना पट पर चस्पा कर दिया गया।जिसमें नाम देखा जा सकता है।उनके अनुसार मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन में दो लाख 57 हजार वोटर,जो मतदाता सूची से बाहर हुए इनमें मृतक, अन्यत्र शिफ्टिंग में वे मतदाता हैं,जिनका गांव व शहर दोनों मतदाता सूची में नाम रहा। शहर में रहने से गांव की मतदाता सूची से शिफ्टिंग करा लिया।मिस मैचिंग में वे हैं, जो निर्वाचन आयोग से अनुमन्य साक्ष्य देने में असमर्थ होने से बाहर हो गए। जिले में पांच विधानसभा सीटें हैं, जिसमें सर्वाधिक मतदाता मिल्कीपुर (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में 342689 मतदाता हैं। सबसे कम मतदाता अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में 305769 हैं। रुदौली में 319308, बीकापुर में 340848 एवं गोसाईंगंज विधानसभा सीट पर 342041 मतदाता हैं।निर्वाचक नामावली के अंतिम आंकड़ो मे कुल मतदाता–1650655 रहे। जिसमे पुरुष मतदाताओं की संख्या –884096 (53. 56 प्रतिशत),महिला मतदाताओं की संख्या–766495 (46.43 प्रतिशत),थर्ड जेंडर मतदाता–64 (0.38 प्रतिशत) रही।वही लिंगानुपात–867 रही।18 से 19 वर्ग के मतदाता–10119 रहे।वही कुल मतदाताओं की मैपिंग–93.23 प्रतिशत रही।जबकि एसआइआर के समय रहे मतदाता –1907803,

कुल बीएलओ–2053,कुल सुपरवाइजर–207 रहे। जबकि विधानसभा क्षेत्र– 05 अंतिम प्रकाशन के बाद रुदौली विधानसभा क्षेत्र में मतदाता –319308 रहे।मिल्कीपुर सुरक्षित विधानसभा सीट पर रू 342689,बीकापुर विधानसभा क्षेत्र–340848,अयोध्या विधानसभा सीट–305796,गोसाईंगंज विधानसभा क्षेत्र–342041 रहे।जबकि नोटिस पाने वाले मतदाता की संख्या–485717 रही।मतदाता सूची में नये जुड़े वोट–80397 रहे और साक्ष्य देने में असफल रहे मतदाता 7274 रहे।जबकि एसआइआर शुरू होने से पहले विधान सभावार मतदाता कुल मतदाता–1907803 रहे।रुदौली–359610,मिल्कीपुर सुरक्षित–372916, बीकापुर–391531,अयोध्या–386206 व गोसाईंगंज– 397540 रहे।

डीप ब्रेन स्टिमुलेशन से पार्किंसन मरीजों को मिल सकती है नई जिंदगी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उंगलियां जो कभी प्यार से बच्चों के सिर पर हाथ फेरती थीं, अब कांपने लगी हैं। सुबह की सैर पर फुर्ती से उठने वाले कदम अब धीमे पड़ गए हैं। यह कोई साधारण बुढ़ापा नहीं, बल्कि बढ़ती उम्र के साथ होने वाला पार्किंसन रोग है, जो धीरे–धीरे मस्तिष्क की उन कोशिकाओं को प्रभावित करता है जो शरीर की गति को नियंत्रित करती हैं। शरीर में डोपामाइन नामक केमिकल की कमी इस बीमारी की प्रमुख पहचान है। यह एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जो आमतौर पर 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती है। मेदांता हॉस्पिटल के डायरेक्टर, न्यूरोलॉजी डॉ. अनुप कुमार ठक्कर ने बताया कि पार्किंसन के मरीजों को दवाएं नियमित रूप से और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही लेनी चाहिए। बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा बंद करना खतरनाक हो सकता है। आमतौर पर यह बीमारी उम्रदराज लोगों में पाई जाती है, लेकिन कुछ मामलों में कम उम्र के लोग भी इससे प्रभावित होते हैं। इसके प्रमुख लक्षणों में हाथों का कांपना, चलने में कठिनाई, शरीर में अकड़न और काम करने की गति का धीमा होना शामिल है। वर्ल्ड पार्किंसन डे के अवसर पर मेदांता हॉस्पिटल में आयोजित कार्यक्रम में डायरेक्टर, न्यूरोलॉजी डॉ. रतिश जुयाल ने बताया कि पार्किंसन के लक्षणों को समय रहते पहचानना बेहद जरूरी है। हाथों का आराम की स्थिति में कांपना, शरीर में अकड़न, काम में धीमापन और संतुलन बिगड़ना इसके प्रमुख संकेत हैं। अधिकांश मामलों में यह बीमारी 60 वर्ष के बाद सामने आती है, हालांकि कुछ मरीज कम उम्र में भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रदूषण, कीटनाशकों का असर और कुछ पर्यावरणीय कारण भी इसके मामलों में बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। पार्किंसन के इलाज के बारे में मेदांता के डायरेक्टर, न्यूरोसर्जरी डॉ. कमलेश सिंह भैसौरा ने बताया कि इसका इलाज आमतौर पर दवाओं से किया जाता है, जो लक्षणों को नियंत्रित करती हैं। चूंकि यह बीमारी पूरी तरह ठीक नहीं होती, इसलिए मरीजों को लंबे समय तक दवाएं लेनी पड़ती हैं। जब दवाओं का असर कम होने लगता है या साइड इफेक्ट बढ़ने लगते हैं, तब सर्जरी का विकल्प भी अपनाया जा सकता है। सर्जरी के विकल्प पर मेदांता के डायरेक्टर, न्यूरोसर्जरी डॉ. रवि शंकर ने बताया कि डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (क्ठै) एक आधुनिक सर्जरी है, जिसमें मस्तिष्क के विशेष हिस्से को स्टिमुलेट करके बीमारी के लक्षणों को नियंत्रित किया जाता है। इस तकनीक से दवाओं की जरूरत कम हो सकती है और मरीज की जीवनशैली बेहतर बनती है। इसके साथ–साथ संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, योग और मानसिक रूप से सक्रिय रहना भी इस बीमारी के प्रभाव को कम करने और इसके लक्षणों की शुरुआत को देर से होने में मददगार साबित हो सकता है।

सरकार समय से पंचायत चुनाव करायें,नही तो प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने का रखे प्रस्ताव – राजेश प्रताप सिंह

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। शनिवार को अखिल भारतीय प्रधान संगठन, जनपद अयोध्या की कार्यकारिणी की बैठक शहर के सिविल लाइन स्थित एक होटल में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से आगामी पंचायत चुनाव की वर्तमान परिस्थितियों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया। बैठक को संगठन के जिला पदाधिकारियों एवं विभिन्न ब्लॉकों के अध्यक्षों ने संबोधित करते हुए अपने–अपने विचार रखे।इस अवसर पर संगठन के जिलाध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह ने कहा कि आपसी राय–विमर्श के बाद यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि समय से पंचायत चुनाव कराना सरकार एवं चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है।क्योंकि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल आधार है। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश समय पर चुनाव नहीं हो पाते हैं।तो सरकार को प्रधानों का कार्यकाल कम से कम एक वर्ष के लिए बढ़ाने पर विचार करना चाहिए।उन्होंने कहा कि यदि कार्यकाल बढ़ाने में कोई संवैधानिक बाधा आती है।तो वर्तमान प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त किया जाए।बैठक के दौरान उन्होंने कोरोना काल में प्रधानों द्वारा किए गए कार्य को याद करते हुए जिलाध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह ने कहा कि उस कठिन समय में प्रधानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर जनता एवं सरकार का सहयोग किया था। बावजूद इसके,विकास कार्यों में अपेक्षित गति नहीं मिल सकी।ऐसे में प्रधानों को ही प्रशासक बनाए जाने से विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य प्रभावित नहीं होंगे।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जनपद के प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर बैठक कर इस संबंध में खंड विकास अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा जाएगा।इसके उपरांत जनपद स्तर पर सभी प्रधान एकत्र होकर जिलाधिकारी के माध्यम से सरकार एवं चुनाव आयोग को ज्ञापन प्रेषित करेंगे।बैठक में प्रमुख रूप से अनुराग सिंह, मोहम्मद नईम, इंद्रसेन यादव, सुभाष शुक्ला, ओम प्रकाश यादव, रक्षाराम यादव, मोहम्मद जुनेद अंसारी, अनूप कुमार वर्मा, अमरनाथ यादव, चंद्रजीत सिंह, योगेंद्र सिंह, चंद्रभूषण सिंह, दुर्गा प्रसाद निषाद, विष्णु कुमार निषाद, सूर्यनारायण गुप्ता, रामबली राम, अभिलाष यादव, राजकुमार यादव, श्रीनाथ यादव, काशी रामपाल, मुकेश कनौजिया, सूर्य प्रकाश कनौजिया, सुनील शंकर यादव, आनंद चौधरी, लक्ष्मण यादव, जयप्रकाश भारती, लालजी वर्मा, रामचंद्र यादव, देवनाथ यादव, बदरुद्दीन, रवि प्रकाश वर्मा, राजकुमार राम, चंद्र भास्कर यादव, जय सिंह यादव, रामवती यादव, सुजीत कुमार, रामकरण, सुनील यादव, संत शरण पाल, विजय सिंह, पुष्पलता, रामनाथ, सर्वेश मोरिया, राघवेंद्र पांडे, उदल यादव, गया प्रसाद, अजय कुमार यादव, भवन विकास वर्मा, तुलसीराम, मोहम्मद खलील, रंजन, आरती, सावित्री देवी, पतिराम, सुषमा यादव, धर्मेंद्र कुमार यादव, राकेश कुमार, जीत बहादुर, अरविंद गुप्ता, राजेंद्र कुमार गुप्ता सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं प्रधान उपस्थित रहे।

आकांक्षा निषाद ने आयकर निरीक्षक बनकर किया अपने माता–पिता व क्षेत्र वासियों का नाम रोशन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जिले के बीकापुर निवासी गरीब परिवार की आकांक्षा का आयकर निरीक्षक के पद पर चयन होने से परिवार में जश्न का माहौल है।उन्होंने अपनी लगन और मेहनत से सफलता का मुकाम हासिल किया है।आकांक्षा ने हाई स्कूल कस्बा बीकापुर के लश्करी प्रिपेरटॉरी विद्यालय से पास किया था।और इंटरमीडिएट राज माधव श्री इंटर कॉलेज जलालपुर माफी से किया था। साकेत महाविद्यालय से स्नातक पास करने के बाद दिशा कोचिंग सेंटर अयोध्या से 1 वर्ष तैयारी किया।लेकिन सफलता नहीं मिली उसके बाद घर पर ही रहकर सेल्फ स्टडी से ऑनलाइन पढ़ाई किया।इस वर्ष एसएससी सीजीएल की परीक्षा में सफलता प्राप्त हुई। गरीब परिवार की आकांक्षा के पिता हनुमान निषाद बीकापुर बाजार में एक छोटी सी फोटो स्टूडियो की दुकान करते हैं और मां सुनीता देवी ग्रहणी है। वह दो भाई और दो बहनों में सबसे बड़ी है। एसएससी सीजीएल का रिजल्ट घोषित होने के बाद आकांक्षा का चयन इनकम टैक्स निरीक्षक के पद पर हुआ है।बृहस्पतिवार को जिला पंचायत सदस्य हरिश्चंद्र निषाद, लालमणि निषाद श्रीनाथ निषाद, डॉ अशोक, रामजनम, गुरु प्रसाद निषाद, राज बहादुर यादव, रवि तिवारी,सहित लोगों द्वारा आकांक्षा के घर पर पहुंचकर मिष्ठान खिलाया गया और बधाई दी गई।आकांक्षा के शिक्षक रहे सहायक अध्यापक आदर्श तिवारी ने बताया कि आकांक्षा शुरू से ही पढ़ने में मेधावी थी। अपनी सफलता का श्रेय आकांक्षा ने अपने माता–पिता और गुरुजनों को दिया है।बताया कि लक्ष्य निर्धारित करके सेल्फ अध्ययन और धैर्य रखने से उन्हें सफलता मिली है।

गोसाईगंज थाना क्षेत्र में मिशन शक्तिअभियान के तहत महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओ व बालिकाओं को किया जागरूक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर व मिशन शक्ति फेज – 5 के नोडल अधिकारी तथा एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सदर अरविंद सोनकर की देखरेख में थानाध्यक्ष गोशाईगंज अभिमन्यु शुक्ला के नेतृत्व मे शनिवार को षमिशन शक्ति फेज 5.0 के (द्वितीय चरण) तहत महिला उप निरीक्षक दीक्षा राव,उपनिरीक्षक सोनम ने महिलाओं तथा बालिकाओं को जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने गोसाईगंज थाना क्षेत्र में जाकर शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना ,बाल विवाह मुक्त भारत अभियान और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओंध्बालिकाओं को जागरूक किया गया और महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे मे अवगत कराया गया व उन्हें किसी भी प्रकार पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।महिलाओं तथा बेटियों को जागरुक करते हुए महिला पुलिसकर्मियों ने कहा केंद्र व राज्य सरकार उनके विकास को लेकर

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।

महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला उप निरीक्षक चेतना पांडे के साथ मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरुक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने उप निरीक्षक चेतना पांडे,महिला कांस्टेबल प्रिया सिंह, महिला पीआरडी माधुरी

तथा साधना सिंह व महिला होमगार्ड शोभा के साथ शहर के विभिन्न चौराहा तथा सार्वजनिक स्थानों पर मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं तथा बालिकाओं को जागरूक किया। इस मौके पर उन्होंने जिला महिला चिकित्सालय,जिला पुरुष चिकित्सालय, रिकाबगंज, बल्लाहाता,चौक रोडवेज सहित अन्य प्रमुख चौराहा तथा मार्गों पर महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उनके साथ मौजूद रही महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौर ने बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।